भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 38

जिसका उत्तर दिनांक 02.02.2022 को दिया जाना है

परमाणु अपशिष्ट का निपटान

38. श्रीमती पुनमबेन माडम :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने परमाणु ऊर्जा केन्द्रों से परमाणु अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान के तरीके तैयार किए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस प्रकार के संयंत्रों के आसपास जीवन और प्रकृति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई निगरानी तंत्र है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) परमाणु ऊर्जा बिजलीघरों में उनके प्रचालन के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट निम्न और मध्यम रेडियोसक्रियता स्तर का होता है । इन अपशिष्टों का उचित प्रकार से उपचार, सांद्रण कर रेडियोसक्रियता की मात्रा को कम किया जाता है । सांद्रण का सीमेंट, बिटूमैन, बहुलकों इत्यादि जैसे अक्रिय पदार्थों में स्थिरीकृत किया जाता है और स्थल विशेष पर इसके लिए विशेष रूप से निर्मित ढांचे में मॉनीटरन के अधीन इसका भंडारण किया जाता है । उपचारित द्रव और गैसों का निरंतर मॉनीटरन के अधीन तनुकरण कर निस्सरित किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि निस्सरण परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) द्वारा निर्धारित सीमा के पर्याप्त अंदर हो । भंडारित अपशिष्ट का रेडियोसक्रिय स्तर समय के साथ कम हो जाता है और संयंत्र आयु की समाप्ति पर बहुत ही निम्न स्तर का रह जाता है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) नाभिकीय विद्युत संयंत्रों का डिज़ाइन इस प्रकार है कि सामान्य जनता को उद्भासित विकिरण की मात्रा एईआरबी द्वारा निर्धारित सीमा के अंदर हो । स्थल के आस-पास हवा, पानी, वनस्पति, फसल, समुद्री भोजन इत्यादि जैसे पर्यावरणीय मापदंडों का मॉनीटरन रेडियोसक्रियता के लिए स्वतंत्र पर्यावरणीय सर्वेक्षण प्रयोगशाला (ईएसएल) द्वारा किया जाता है । एकत्रित आंकड़ों ने दर्शाया है कि देश में नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के प्रचालन के पांच दशकों में पर्यावरण/पर्यावरणीय मापदंडों में रेडियोसक्रियता और विकिरण स्तर में नगण्य बदलाव हुआ है । सुदृढ़ नियामक क्रियाविधि स्थापित की गई है । नियामक प्राधिकरण, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) संरक्षा समीक्षाओं की विस्तृत बहु-स्तरीय प्रणाली के माध्यम से नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के सभी पहलूओं का मॉनीटर करती है ।

* * * * *